Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 01-12-2005

Participants : Singh Shri Prabhunath

>

Title : Need to include Bhojpuri language in the Eighth Schedule to the Constitution.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, हम आपके माध्यम से जो निवेदन कर रहे हैं, संसदीय कार्य मंत्री जी को कहिये कि वह जरा उसे सुनें। अगर नहीं सुनेंगे तो निवेदन का क्या लाभ। हम सरकार को सुनाना चाहते हैं।

अध्यक्ष महोदय : वह सुनेंगे, यहां से सब इन्टीमेशन चली जाती है।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमने भोजपुरी भाषा को संविधान की अटम सूची में शामिल करने का कई बार आग्रह किया है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप भोजपुरी में बोल रहे हैं।

श्री प्रभुनाथ सिंह : यदि कहा जाए तो हम बोलेंगे। आप इजाजत दें तो मैं बोलूंगा।

MR. SPEAKER: Probably, there is no interpreter of Bhojpuri.

श्री प्रभुनाथ सिंह : भोजपुरी तो हम इतनी रफ्तार से बोलेंगे कि सारा देश सुनता रह जायेगा। अगर आप इजाजत दें तो मैं बोलूंगा।

अध्यक्ष महोदय : आप हिन्दी में ही बोलिये।

श्री प्रभुनाथ सिंह : महोदय, एक ध्यानार्काण प्रस्ताव के माध्यम से भी हमने इस सवाल को उठाया था और तब माननीय गृह मंत्री जी ने आश्वासन दिया था कि भोजपुरी भाषा को अटम सूची में शामिल किया जायेगा। हमने व्यक्तिगत तौर भी गृह मंत्री जी से मिलकर इसका आग्रह किया cè[R15]। उन्होंने कहा तो जरूर है कि इसे शामिल किया जाएगा, लेकिन इसकी कोई समय सीमा सामने नहीं आ रही है। पश्चिम बंगाल के बोलपुर संसदीय क्षेत्र में भी भोजपुरी भाषा-भाषी लोग हैं। संसदीय कार्य मंत्री महोदय के संसदीय क्षेत्र में भी भोजपुरी भाषा-भाषी लोग बहुत ज्यादा संख्या में हैं तथा उनके मतदाता भी हैं। पूरी दुनिया के नौ देशों में भोजपुरी भाषा के लोग हैं। पूरी दुनिया में बीस करोड़ लोग इस भाषा को बोलने वाले हैं, वहीं भारत में लगभग 16 करोड़ लोग इस भाषा को बोलने वाले हैं। कई विश्वविद्यालयों में जैसे बीआरए विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, जेपी विश्वविद्यालय, छपरा, कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर तथा जौनपुर विश्वविद्यालय में भी इंटरमिडिएट से एमए तक की पढ़ाई भोजपुरी में होती है। भोजपुरी भाषा बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, उत्तरांचल के अलावा देश के सभी महानगरों तथा औद्योगिक नगरों में बोली जाती है। भोजपुरी भाषा के कार्यक्रम जैसे गीत और धारावाहिक पटना में और खास तौर से वाराणसी, रांची, मुजफ्फरपुर आदि से दूरदर्शन एवं आकाशवाणी केन्द्रों द्वारा प्रसारित किए जाते हैं। भोजपुरी फिल्में आज सिनेमा उद्योग के मुख्य व्यवसाय के रूप

में स्थापित हो चुकी हैं। भोजपुरी भाषा में पत्र-पत्रिकाएं, अखबार, समृद्ध साहित्य बहुत बड़ी संख्या में प्रकाशित होते हैं। यह भाषा इतनी सहज है कि इसे कोई दूसरी भाषा बोलने वाला भी आसानी से समझ लेता है। इसलिए यह देश की सबसे लोकप्रिय भाषा है। भोजपुरी भाषा देश की एकमात्र ऐसी भाषा है जो भारत के अतिरिक्त दूसरे देशों जैसे मॉरीशस, सूरीनाम, त्रिनीडाड, गुआना, हॉलैंड, नेपाल, फिजी, दक्षिण अमरीका और वेस्ट इण्डीज़ के कुछ आइलैण्ड्स में लगभग चालीस से पचास प्रतिशत लोगों द्वारा बोली जाती है। फिर भी भोजपुरी भाषा को संविधान की अटम सूची में शामिल नहीं किया गया है।

अध्यक्ष महोदय, हम निवेदन करते हैं और आपसे संरक्षण चाहते हैं कि इसे अटम सूची में शामिल किया जाए। संसदीय कार्य मंत्री आग्रह करने पर भी नहीं सुन रहे हैं। मंत्री जी आपके क्षेत्र में भी भोजपुरी भाषा बोली जाती है और जब हम भोजपुरी भाषा का सवाल उठा रहे हैं तो आप अन्य कामों में व्यस्त हैं, वे लोग सुनेंगे तो गुस्सा करेंगे।

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री प्रिय रंजन दासमुंशी) : भोजपुरी के बारे में ही बात कर रहे हैं।

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं, चूंकि इस सदन में सरकार की तरफ से आश्वासन मिल चुका है कि भोजपुरी भाषा को संविधान की अटम सूची में शामिल कर लिया जाएगा। हम खास तौर से संसदीय कार्य मंत्री और सोनिया गांधी जी से भी निवेदन करते हैं कि आप आदेश देंगी तो यह काम जल्दी हो जाएगा। आप अपने गृह मंत्री जी को भी कह दीजिए, वे इसे जल्दी करवा देंगे।

अध्यक्ष महोदय : क्या सभी भोजपुरी भाषा बोलने वाले इनको वोट देंगे?

श्री प्रभुनाथ सिंह : इनको तो वोट देते ही हैं।

अध्यक्ष महोदय : तब तो जल्दी हो जाएगा।

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम आपसे भी उम्मीद करते हैं कि आप भी इस बारे में कह देंगे तो सरकार जल्दी करवा देगी।

MR. SPEAKER: We respect all languages. They are very rich. Naturally, there are methods and ways for their inclusion. I am sure and I believe that this is one of the languages which is under consideration.